वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 191 शनिवार 8 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

# वन्दे मातरम् हमारी आत्मा की पुकार: भजनलाल

विकसित भारत के निर्माण में वन्दे मातरम् की भावना हमारी प्रेरणा

## विकसित भारत के निर्माण में वन्दे मातरम् की भावना हमारी प्रेरणा

## वन्दे मातरम की भावना को सभी अपने जीवन में उतारें

**जयपुर. कासं**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने उपन्यास आनंदमठ में इस अमर रचना को लिखा, तब शायद उन्हें भी यह अनुमान नहीं था कि ये पंक्तियां भारत माता की आजादी के लिए लड़ने वाले लाखों वीरों का युद्धनाद बन जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम का प्राणतत्व बना, क्रांतिकारियों का मंत्र और एकता का सूत्र बना। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने कोलकाता में इसे गाया तो पूरा सभागार भावविभोर हो उठा। आजादी की लड़ाई से अबतक, वन्दे मातरम् हर आंदोलन, जुलूस एवं भारतीय की जुबान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा है और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि

## राष्ट्र की अखंडता और एकता का सूत्र है वन्दे मातरम्

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत विश्व में अपनी पहचान बना रहा है। हम अंतरिक्ष में चंद्रयान भेज रहे हैं, डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं तथा आर्थिक शक्ति बन रहे हैं। यह सब अपनी जड़ों से जुड़े होने तथा अपनी संस्कृति पर गर्व करने से ही संभव हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् हमारी चेतना, राष्ट्र की अखंडता और एकता का सूत्र है। आज वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम इस गीत की भावना को अपने जीवन में उतारेंगे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

## वन्दे मातरम् में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति

शर्मा ने कहा कि वन्दे मातरम् में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है। इस गीत में गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए राष्ट्रभक्तों को आत्मशक्ति देने की ऊर्जा है। यह केवल राजनीतिक नारा नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक शक्ति है जो हमारी सामूहिक चेतना को जागृत करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह गीत हमें हमारी साझी पहचान से तथा जड़ों से जोड़ता है। वन्दे मातरम् केवल अतीत की धरोहर नहीं है बल्कि आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जब हम राष्ट्र निर्माण की बात करते हैं तथा विकसित भारत का सपना देखते हैं तो वन्दे मातरम् की भावना ही हमारी प्रेरणा है।

## केन्द्र सरकार ने लिया वन्दे मातरम् के राष्ट्रव्यापी समारोह का ऐतिहासिक निर्णय

शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के राष्ट्रव्यापी समारोह की स्वीकृति देकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समारोह केवल उत्सव नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को, विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को इस गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। वीरों एवं शहीदों की भूमि राजस्थान के हर घर एवं गली में वन्दे मातरम् की गूंज व्याप्त है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, रानी पद्मिनी, वीर दुर्गादास राठौड़ से लेकर स्वतंत्रता संग्राम के अनगिनत शहीदों तक इस धरा ने त्याग और बलिदान की अमर कहानियां लिखी हैं। शर्मा ने कहा कि 150 वर्ष का यह उत्सव हमें याद दिलाता है कि हमारी आजादी आसान नहीं थी। लाखों लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया तब हमें स्वतंत्रता मिली। हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी रक्षा करें और इसे मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् के दो शब्द हमें याद दिलाते हैं कि हम भारत माता के सपूत हैं। हमारा दायित्व है कि हम अपने देश को उन्नति के सबसे ऊंचे शिखर पर ले जाएं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि वन्दे मातरम् की भावना को जीवन में उतारेंगे, कर्तव्यों का पालन करेंगे, राष्ट्रहित को सर्वापरि रखेंगे और भारत माता के गौरव को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिसमें 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग्स दिखाई गई। इसके पश्चात उन्होंने वन्दे मातरम् सैण्ड आर्ट को भी देखा।

# राजस्थान जैन साहित्य परिषद, जयपुर

## विचार गोष्ठी-सूचना

मासिक गोष्ठी के प्रमुख वक्ता

**मूर्धन्य विद्वान डॉक्टर राजकुमार जैन बिल्टीवाला**

सेवानिवृत्त प्रोफेसर दर्शनशास्त्र जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर

**स्थान:**
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मंगल विहार गोपालपुरा रोड़, जयपुर

**शनिवार, 8 नवम्बर 2025**
**रात्रि 7.15 से 9.00 बजे तक**

**गोष्ठी का विषय:- आचार्य कुंदकुद विरचित तिरूक्कुरल काव्य में न्याय की अवधारणा और जीवन में उसका उपयोग**

श्रावक श्रेष्ठी जन, सादर जय जिनेंद्र,

राजस्थान जैन साहित्य परिषद की माह नवम्बर में होने वाली गोष्ठी के लिए सभी महानुभावों से निवेदन है इष्ट मित्रों सहित पधारकर धर्म लाभ लें।

**विशेष आग्रह** – युवा वर्ग एवं बालक बालिकाओं को "आचार्य कुंदकुद विरचित तिरूक्कुरल काव्य में न्याय की अवधारणा और जीवन में उसका उपयोग" पर जानकारी प्राप्त हों, अत: उनको अपने साथ लेकर अवश्य आयें।

**अभिनव प्रयोग** – विचार गोष्ठी में आप भी विषय पर अपने विचार रख सकते हैं। जो अपना नाम पहले देंगे वे ही प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय में अपने विचार रख सकेंगे।

***गोष्ठी संयोजक: सुदर्शन पाटनी, मो. 9928612030***

आयोजक

**पदम जैन बिलाला** (अध्यक्ष)
मो. 9314024888

**महावीर कुमार चांदवाड़** (मंत्री)
मो. 8505030011

राजस्थान जैन साहित्य परिषद, जयपुर

निवेदक

**श्री अमित गोधा**
अध्यक्ष

स्थानीय सम्पर्क सूत्र:
**नवीन बिल्टीवाला**
87644 29470

**श्री महेन्द्र पाटनी**
मंत्री

प्रबन्ध समिति, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मंगल विहार गोपालपुरा रोड़, जयपुर

**गोष्ठी के पश्चात् स्वल्पाहार – सौजन्य: डॉ. राजकुमारी बिल्टीवाला**

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

## सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय

दिगम्बर जैन महासमिति, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा

# 10 वां निःशुल्क नेत्र जांच, लैंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर

# सम्मान एवं समापन समारोह

**सोमवार, 10 नवम्बर 2025**
प्रातः 9.00 बजे से

**स्थानः श्री आदिनाथ भवन**
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

| दीप प्रज्जवलनकर्ता एवं कम्बल वितरणकर्ता | मुख्य अतिथि | अध्यक्षता | गौरवमय अतिथी |
|---|---|---|---|
| श्रीमान् कैलाश चंद जी, माणक चंद जी, रमेश जी ठोलिया<br>प्रमुख समाज सेवी (राम लक्ष्मण जोडी) | श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या<br>राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति | माननीय न्यायाधिपति श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन<br>पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाईकोर्ट | श्रीमान् शैलेंद्र जी गोधा<br>मुख्य संपादकः दैनिक समाचार जगत |

| विशिष्ट अतिथि | विशिष्ट अतिथि | विशिष्ट अतिथि | विशिष्ट अतिथि | विशिष्ट अतिथि | विशिष्ट अतिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| श्रीमान् महेन्द्र कुमार जी रांवका<br>प्रमुख समाजसेवी, मानसरोवर | श्रीमान् संजय जैन छाबडा<br>आवा वाले, प्रमुख समाजसेवी | डॉ. राजीव जी जैन<br>उपाध्यक्षः जेएसजी आईएफ नॉर्दन रीजन | श्रीमान् भागचंद जी बाकलीवाल<br>प्रमुख समाज सेवी, लांगडियावास वाले | श्रीमान् महावीर जी कसेरा<br>प्रमुख समाज सेवी, कसेरा टैंट एंड इवेंट | श्रीमान् पदम जी बिलाला<br>प्रांतीय अध्यक्ष- धर्म जाग्रती संघ |

## शिविर सहयोगी संस्थाए

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी कैपिटल * श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, मानसरोवर, जयपुर
आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर * दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर

**वर्ष 2013 से 2023 तक आयोजित 9 शिविरो में लगभग 9200 रोगियों की नेत्र जाँच एवं 1450 नेत्र लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर पर करवाये गये हैं।**

## नेत्र जाँच एवं रक्तदान शिविर

शनिवार, 8 नवम्बर 2025 प्रातः 9.00 बजे से 1.00 बजे तक
स्थान : राजकीय बालिका सी.सै. स्कूल, झिलाय, निवाई

झिलाय में 08 नवम्बर को आयोजित शिविर में लैंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित रोगी सायं 5.00 बजे दिगम्बर जैन आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर लाये जायेंगे।
रोगियों के ऑपरेशन रविवार 9 नवम्बर 2025 को नवीन तकनीक व आधुनिक मशीनों द्वारा डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड़, जयपुर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किये जायेंगे।
सोमवार 10 नवम्बर को प्रातः 11.00 बजे रोगियों को चश्मा, दवाईयां व स्मृति स्वरूप कम्बल देकर वापस बस द्वारा झिलाय भिजवाया जायेगा।

| मुख्य समन्वयक | मुख्य समन्वयक | समन्वयक | समन्वयक | समन्वयक | समन्वयक |
|---|---|---|---|---|---|
| दर्शन–विनिता बाकलीवाल | राकेश–समता गोदिका | राकेश–रेणू संघी | अनिल–प्रेमा रांवका | नितेश–मीनू पाण्ड्या | राजेन्द्र–कुसुम पाटनी |

## निवेदक

**सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय**
के. एम. जैन – अध्यक्ष; डॉ. पी. सी. जैन – मंत्री; महावीर प्रसाद जैन – संयोजक; राजेश जैन – संयोजक; जितेन्द्र जैन – संयोजक; प्रहलाद चौधरी – संयोजक

**दिगम्बर जैन महासमिति, नई दिल्ली**
डॉ अशोक बडजात्या (इंदौर) – राष्ट्रीय अध्यक्ष; सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या (जयपुर) – राष्ट्रीय महामंत्री

**श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति**
सुशील कुमार जैन – अध्यक्ष; सुनील पैनाडा – वरिष्ठ उपाध्यक्ष; तेजकरण चौधरी – उपाध्यक्ष; राजेन्द्र कुमार सेठी – मंत्री; मनोज कुमार जैन – संयुक्त मंत्री; लोकेन्द्र कुमार जैन – कोषाध्यक्ष; अशोक कुमार सेठी – संगठन मंत्री; जम्बू कुमार सोगणी – सांस्कृतिक मंत्री

**जैन सोशल ग्रुप संगिनी कैपिटल**
अलका – सुधीर गोधा – अध्यक्ष; विनिता–दर्शन बाकलीवाल – संस्थापक अध्यक्ष; सुनीता–सुबोध पाटोदी – सचिव

**श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, मानसरोवर**
अनिता जैन – प्रमुख न्यासी; नरेश कुमार जैन – प्रबन्ध न्यासी

**आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर**
राकेश गोदिका – संरक्षक; सुनील जैन – अध्यक्ष; राजेन्द्र बाकलीवाल – मंत्री; मुकेश जैन – कोषाध्यक्ष; साकेत जैन – संयोजक

**दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर**
मोहनलाल गंगवाल – अध्यक्ष; सुरेश जैन बांदीकुई – कार्याध्यक्ष; विजय कुमार पांड्या – सचिव; कैलाश चन्द सेठी – कोषाध्यक्ष

## आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मनीष–शोभना लोंग्या<br>अध्यक्ष | राकेश–समता गोदिका<br>संस्थापक अध्यक्ष | सुरेन्द– मृदुला पांड्या<br>संरक्षक | दर्शन– विनीता बाकलीवाल<br>संरक्षक | राजेश – जेना गंगवाल<br>संरक्षक | विनोद–शशि तिजारिया<br>संरक्षक | दिनेश–संगीता गंगवाल<br>परामर्शक | राजेश–रानी पाटनी<br>सचिव |
| राकेश–रेणु संघी<br>वरिष्ठ उपाध्यक्ष | संजय–ज्योति छाबडा<br>वरिष्ठ उपाध्यक्ष | विनोद–हेमा सोगानी<br>उपाध्यक्ष | चक्रेश–पिंकी जैन<br>उपाध्यक्ष | सुनील–सुनीता गोदिका<br>उपाध्यक्ष | अनिल–ज्योति जैन<br>उपाध्यक्ष | अनिल–अनिता जैन<br>संगठन सचिव | नितेश–मीनू पांड्या<br>संगठन सचिव |
| प्रदीप–प्राची बाकलीवाल<br>संयुक्त सचिव | चेतन–डॉ अनामिका पापड़ीवाल<br>संयुक्त सचिव | कमल–मंजू ठोलिया<br>सांस्कृतिक सचिव | राजेंद्र – कुसुम जैन<br>खेल सचिव | दिलीप–प्रमिला जैन<br>कोषाध्यक्ष | पंकज–नीना जैन<br>कार्यकारिणी सदस्य | राकेश–नीरा लुहाडिया<br>कार्यकारिणी सदस्य | अनिल–प्रेमा रांवका<br>अशोक सेठी<br>विशेष आमंत्रित |

## वेद ज्ञान

### सभी जीवों में भगवान का दर्शन करना ही परम धर्म

जब मनुष्य ईश्वर की सर्वव्यापी सत्ता का अनुभव करता है, तो उसके भीतर का द्वेष, हिंसा, अहंकार और वैर-भाव स्वतः ही समाप्त हो जाता है। भागवत धर्म का सार है- वासुदेवः सर्वम्। चराचर में एक परमात्मा ही परिपूर्ण और परिव्याप्त है। आज संसार में घृणा, ईर्ष्या और वैर-भाव के पनपने का मूल कारण ईश्वर की सर्वव्यापक सत्ता को न समझ पाना है। भागवत धर्म का दिव्य संदेश है कि जब संपूर्ण जगत को प्रभुमय देखा जाएगा, तब भेदभाव का कोई अस्तित्व नहीं रहेगा। यह अनुभूति ही भेद दृष्टि को निर्मूल करती है और परस्पर विरोध तथा संघर्ष समाप्त हो जाते हैं। 'मैं' और 'मेरा' का संकुचित भाव मिटकर वासुदेवः सर्वम् (सब कुछ भगवान ही हैं) का भाव हृदय में प्रतिष्ठित होता है, जिससे प्रेम और शांति की धारा प्रवाहित होती है। राजा निमि ने नौ योगेश्वरों से भगवद्भक्त के लक्षण, आचरण (कार्य-व्यवहार) और भगवान को प्रिय होने के कारणों के विषय में अपनी जिज्ञासा अभिव्यक्त की- हे भगवन्! कृपापूर्वक अवगत कराइए भगवद्भक्त का क्या लक्षण है? उसका स्वभाव और कार्य-व्यवहार समाज में किस प्रकार होता है। वह किन-किन सुलक्षणों के कारण भगवान को प्रिय होता है? यह जिज्ञासा केवल भक्ति-ज्ञान मार्ग के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सफल जीवन प्रबंधन का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उत्तम प्रबंधन में यह आवश्यक है कि व्यक्ति का स्वभाव, आचरण और वाणी निर्मल हो। दूसरे योगेश्वर हरि जी ने इसका समाधान करते हुए परम भागवत के लक्षणों को बताते हुए उपदेशित किया...

**सर्वभूतेषु यः पश्येद्**
**भगवद्भावमात्मनः।**
**भूतानि भगवत्यात्मन्येष**
**भागवतोत्तमः॥**

हे राजन्! परम भागवत वह है जो सभी जीवों में भगवान के भाव को देखता है और भगवान में सभी जीवों को देखता है। भगवद्भक्त का धर्म यहां आंतरिक स्वभाव ही धर्म है। धर्म शब्द संकीर्ण अर्थ में पूजा-पद्धति या कर्मकांड का द्योतक नहीं है, अपितु यह उस भक्त के आंतरिक स्वभाव को दर्शाता है जो ईश्वर-प्रेम के कारण विकसित हुआ है। भागवत का धर्म है—समभाव, निर्भयता और निस्वार्थता।

## संपादकीय

# गरीबी हटाओ अब हकीकत है सिर्फ चुनावी जुमला नहीं

60 साल तक गरीबी हटाओ सिर्फ एक चुनावी जुमला रहा जिसे खूब उछाला गया लेकिन नतीजा ठेंगा निकला लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद गरीबी हटाओ सिर्फ लोक लुभावन नारा नहीं है ऐसा खुद विश्व बैंक मानता है। पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में जो प्रगति की है, वह निश्चित रूप से ऐतिहासिक कही जा सकती है। विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट के अनुसार भारत की अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 के 27.1

प्रतिशत से घटकर 2022-23 में मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि लगभग 26.9 करोड़ भारतीय इस अवधि में अत्यधिक गरीबी से बाहर निकल सके हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब वैश्विक स्तर पर महामारी, आर्थिक मंदी और युद्ध जैसे संकटों ने विकासशील देशों के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। विश्व बैंक के मुताबिक, 2011-12 में देश में लगभग 34.4 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन कर रहे थे, जिनकी संख्या अब घटकर मात्र 7.5 करोड़ रह गई है। आपको बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को ही यह दावा कि सरकार ने 2.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है। इसी कड़ी में केरल ने खुद को अत्यधिक गरीबी मुक्त राज्य घोषित कर दिया है। कुछ अतिशयोक्ति भले लगे, लेकिन समग्र रूप से देखें तो भारत ने गरीबी घटाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। फिर भी सवाल उठता है, क्या गरीबी में यह गिरावट समान रूप से सभी वर्गों तक पहुंची है? हाल ही में आई जी 20 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी कमिटी ऑन ग्लोबल इनइक्वैलिटी की रिपोर्ट इस सवाल का स्पष्ट उत्तर देती है कि नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2000 से 2023 के बीच शीर्ष 1 प्रतिशत अमीरों की संपत्ति में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तुलना करें तो चीन में यह वृद्धि 54 प्रतिशत रही। यह आंकड़े बताते हैं कि आर्थिक विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा, जबकि शीर्ष वर्ग की संपत्ति में तेजी से बढ़ोतरी हुई, देश की निचली आधी आबादी के पास अब भी संपत्ति का नगण्य हिस्सा है। यह आंकड़ा न केवल आर्थिक विषमता की भयावहता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि विकास के लाभ समाज के सीमित वर्ग तक सिमट गए हैं। पिछले दो दशकों में भारत ने जीडीपी वृद्धि, तकनीकी नवाचार और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन इन उपलब्धियों की कीमत सामाजिक और आर्थिक विषमता के रूप में चुकानी पड़ी है। शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों ने जहां 62 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का यह आंकड़ा बताता है कि विकास की गति भले ही तेज रही हो, लेकिन उसका वितरण बेहद असमान रहा है। ग्रामीण भारत में आज भी लाखों परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पोषण जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। शहरों की चमकदार ऊंचाइयों के बीच गांवों की दरिद्रता एक सच्चाई बनकर सामने आती है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि अवसरों, संसाधनों और सामाजिक सम्मान की भी है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# गुम होते आदिवासियों के वैधानिक अधिकार

कानून की जिस जमीन को आप सख्त समझ रहे हैं, उसकी मिट्टी भहरा रही है। आपके पैरों तले जमीन खोखली हो गयी है। संवैधानिक और वैधानिक ढांचे के भीतर आदिवासियों को भूमि, वन और आजीविका के विशिष्ट अधिकार प्राप्त हैं। पांचवीं अनुसूची, छठवीं अनुसूची, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1996 (पेसा), वन अधिकार कानून 2006 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 आदिवासियों के विशिष्ट अधिकारों को मान्यता देते हैं। लेकिन पिछले पाँच वर्षों में संसाधन प्रबंधन से जुड़े कानूनों को व्यापार की सुगमता के नाम पर बदल दिया गया है। यह आदिवासियों के विशिष्ट संवैधानिक अधिकारों को गायब कर देने की सुनियोजित प्रक्रिया है। हालिया कानूनी सुधारों ने संसाधन प्रबंधन की दिशा को कॉरपोरेट फ्रेंडली बना दिया है। 2019 के बाद से केंद्र सरकार ने पर्यावरणीय, खनन और भूमि संबंधी आधे दर्जन कानूनों में तेजी से संशोधन किया। संशोधन का उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना और अनुमति प्रक्रियाओं को सरल करना बताया गया। परंतु इसके पीछे का उद्देश्य वन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के नियंत्रण को और मजबूत करना रहा। नई दिल्ली स्थित आदिवासी अधिकारों की जन वकालत करने वाली संस्था लीगल रिसोर्स सेंटर ने आदिवासियों और वनाश्रित समुदायों के जीवन और संघर्ष को प्रभावित करने वाले कानूनों में आए बदलावों का अध्ययन किया है। अध्ययन बताते हैं कि हाल के कानूनी सुधार से आदिवासी अधिकारों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अगस्त 2023 में भारतीय वन अधिनियम, 1927 में संशोधन किया गया। कुछ छोटे वन अपराधों के लिए कारावास की सजा समाप्त कर दी गयी और इसकी जगह आर्थिक जुर्माना का प्रावधान किया गया। वन अपराधों से होने वाली हानि की भरपाई के लिए सामूहिक दंड जैसे खतरनाक प्रावधान जोड़े गये हैं। वन अधिकारियों के अधिकार बढ़ा दिए गये हैं। जुर्माना लगाने और उसकी वसूली के लिए वन अधिकारी को सक्षम घोषित किया गया है। लीगल रिसोर्स सेंटर की संस्थापक और सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील सोमन्ना खन्ना बताती हैं कि खनन परियोजनाओं और वन भूमि के परिवर्तन (फॉरेस्ट डायवर्जन) में तेजी आई है। 2020 और 2021 में व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए वन और पर्यावरण स्वीकृतियों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए गये। लीगल रिसोर्स सेंटर की रिपोर्ट राज्य के एजेंडे का रहस्य में बताया गया कि 23 मार्च 2020 के पर्यावरण प्रभाव आंकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2020 का मसौदा नागरिक संगठनों के भारी विरोध और कर्नाटक तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप की वजह से स्थगित हो गया। लेकिन वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने इसके कई प्रावधानों को विभिन्न परिपत्रों और दिशा निर्देशों के माध्यम से लागू कर दिया है। जन सुनवाई से संबंधित प्रावधानों को कमजोर करना एवं ईआईए प्रक्रिया के अनिवार्य अनुपालन को कमजोर करना था। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन (ईआईए) की प्रक्रिया को भी छोटा कर दिया गया। परियोजनाओं को एक्सप्रेस क्लीयरेंस की श्रेणी देने का प्रावधान किया गया। इन अनुमतियों में खनन, बांध, सड़क, रेल और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ शामिल थीं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2018-2023 के बीच लगभग 6,68,400 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुआ।

# नवदीक्षित मुनियों की हुई वाणी-मुख शुद्धि

## आचार्य सुंदर सागर ने आगम विधि से किए संस्कार, शनिवार को निकलेगी पिच्छिका शोभायात्रा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सांगानेर स्थित चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को चल रहे भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव के अंतर्गत सात नवदीक्षित मुनियों, आर्यिकाओं, क्षुल्लकों और क्षुल्लिकाओं की वाणी-मुख शुद्धि विधि आचार्य सुंदर सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ के सान्निध्य में संपन्न हुई। इस पवित्र संस्कार के बाद नवदीक्षित संत अब समाजबंधुओं को उपदेश देने और जिनवाणी का प्रचार करने के योग्य बन गए हैं।

### आचार्य सुंदर सागर का उपदेश संतवाद और पंथवाद से दूर रहें

संस्कार के अवसर पर आचार्य सुंदर सागर महाराज ने नवदीक्षित मुनियों को संबोधित करते हुए कहा कि नमो लोए सव्वे साहूणं की भावना रखें। सभी संतों को नमस्कार करें, किसी पंथ या वाद में मत पड़ें। पिच्छिका या कमंडल धारी सभी संतों को नमोस्तु करें। श्रावकों सहित सभी जीवों के प्रति समभाव रखें – यही सच्चे मुनि का लक्षण है। उन्होंने नवदीक्षित संतों को संयम, समता और सच्चे साधु जीवन के सिद्धांतों को दृढ़ता से अपनाने का आह्वान किया।

### वाणी-मुख शुद्धि संस्कार की विधि

मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल काशीपुरा और मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि संस्कार की शुरूआत चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलन से हुई। आचार्य परंपरा को अर्घ्य अर्पित करने के बाद आचार्य श्री ने नवदीक्षित मुनियों के सिर पर केसर से ह्रश्री लेखन कर, लौंग के साथ 108 मंत्रों का जाप किया। तत्पश्चात उन्होंने अट्ठाईस मूलगुण और सोलह संस्कारों के मंत्रों का जाप कर वाणी-मुख शुद्धि संपन्न कराई। संस्कार के दौरान मुनियों के हाथों पर श्री लेखन कर चारों दिशाओं में अंकों का अंकन किया गया तथा उन्हें श्रीफल प्रदान किया गया। आचार्य श्री ने मुनियों के कानों में गुप्त महामंत्र देकर उन्हें दीक्षित जीवन की अगली अवस्था के लिए तैयार किया। इस अवसर पर नवदीक्षित मुनियों को नवीन पिच्छिका भी भेंट की गई, जिसका सौभाग्य महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट, जिनेंद्र जैन जीतू, चेतन जैन, सुरेंद्र सोगानी, मनीष पाटनी, बालमुकुंद सोगानी, विनोद जैन (कोटखावदा) सहित कई श्रावकों को प्राप्त हुआ।

### धर्म माता-पिता का पुण्यार्जन और विशिष्ट सहभागिता

विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा कि इस दीक्षा में ब्राह्मण समाज के श्रीप्रकाश तिवाड़ी एडवोकेट सपत्नीक भी एक नवदीक्षित मुनि के धर्म माता-पिता बने। यह पहला अवसर है जब जैन समाज के बाहर का कोई व्यक्ति जैन दीक्षा संस्कारों में सक्रिय सहभागी बना – यह जैन धर्म की सार्वभौमिकता और उदारता का प्रतीक है।

### संस्कार के दौरान निम्न नवदीक्षित संतों के धर्म माता-पिता बने...

मुनि सुयोग सागर-सुनील जैन लोहेवाला
मुनि श्रुतांश सागर-अनिल जैन फागीवाले
मुनि सुधैर्य सागर-श्रीप्रकाश तिवाड़ी परिवार
आर्यिका सुस्थिरमति-कैलाश सोगानी परिवार
क्षुल्लक सुधीर सागर-दीपेश जैन
क्षुल्लिका सुस्थितमति-अनिल जैन काशीपुरा
क्षुल्लिका सुस्थानमति-ओमप्रकाश कटारिया

### भव्य पिच्छिका शोभायात्रा शनिवार को

मंदिर समिति ने बताया कि शनिवार दोपहर को भव्य पिच्छिका

शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। समारोह में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन (कोटखावदा), राजस्थान जैन युवा महासभा (दक्षिण संभाग) के अध्यक्ष चेतन जैन (निमोड़िया), महामंत्री मूलचंद पाटनी, सुरेंद्र सोगानी, राहुल सिंघल, महेन्द्र सोगानी, बबीता सोगानी, अंजना गंगवाल सहित बड़ी संख्या में जैन श्रेष्ठीजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन जिनेंद्र जैन जीतू ने किया, जबकि आभार व्यक्त एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन ने किया। समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ।

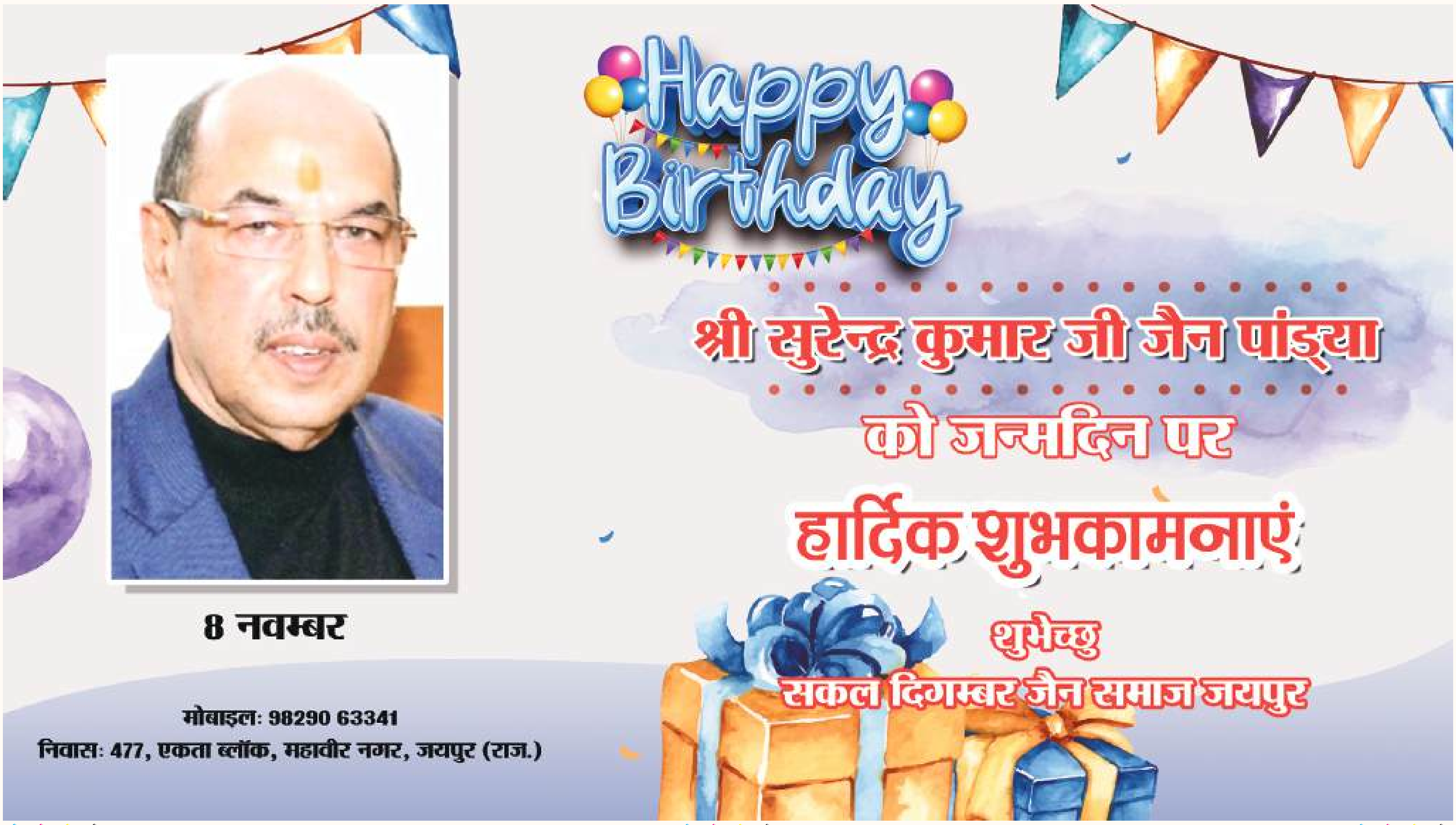

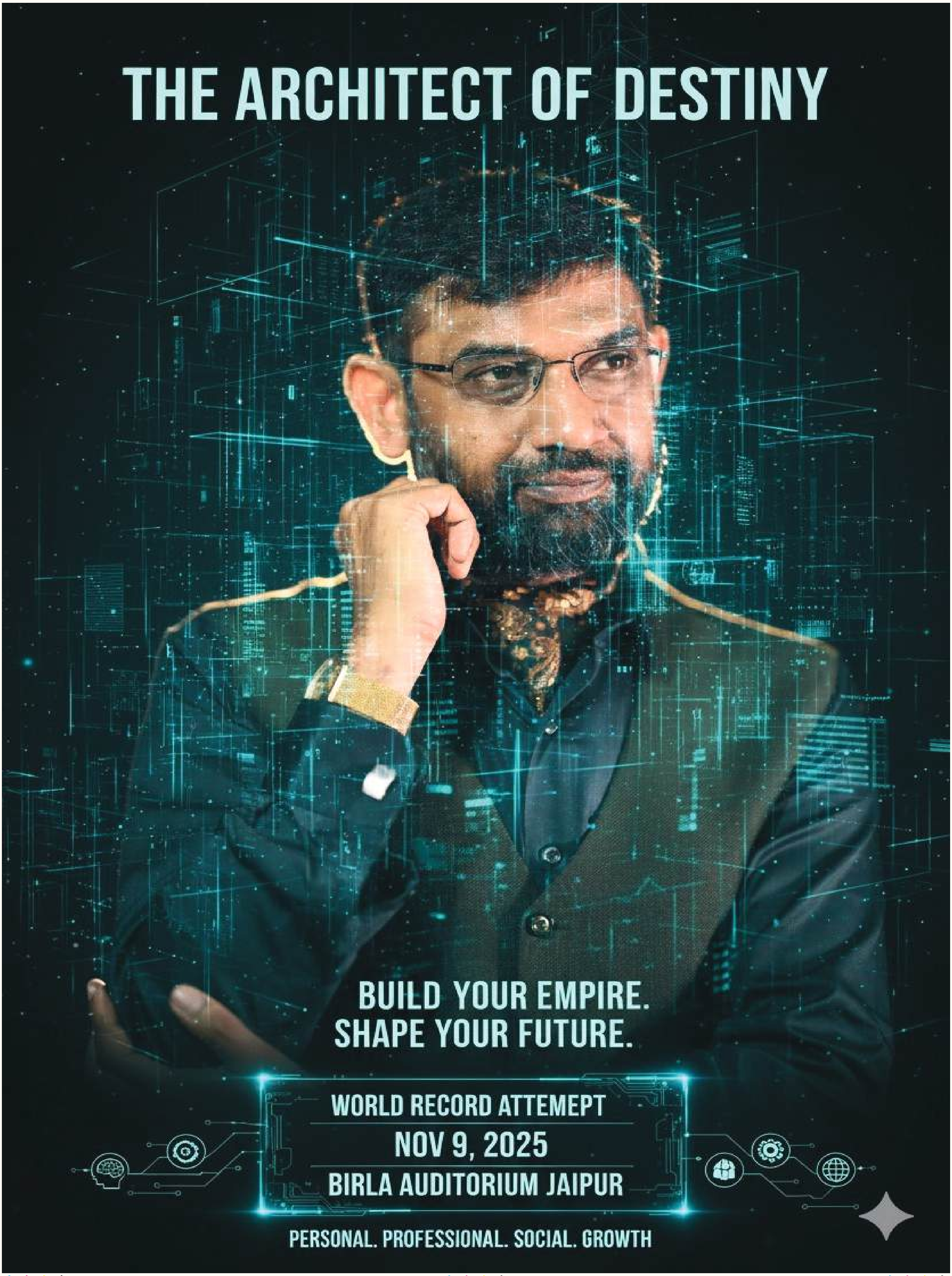
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

# मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में मौजी बंधन का शुभारंभ

## देशभर से आए हजारों भक्तों ने लिया संस्कारों का बीजारोपण। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 53वें आचार्य पद दिवस पर हुआ भव्य आयोजन, तरेपन दीपों से की गई महाआरती

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया**

अंचल के प्रमुख तीर्थ दर्शनोदय तीर्थ, थूवोनजी में आज आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 53वें आचार्य पद दिवस के उपलक्ष्य में विशाल धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री के शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में मौजी बंधन का शुभारंभ हुआ, जिसमें देशभर से आए हजारों भक्तों ने भाग लेकर संस्कारों का बीजारोपण किया। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर में आयोजित महा आरती में भक्तों ने आचार्य भगवंत की 53 दीपों से आरती की। इससे पूर्व प्रातः काल में भगवान की महापूजन और जगत कल्याण की कामना हेतु महाशांति धारा संपन्न की गई। इस अवसर पर मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में कोई भी व्यक्ति पूर्णता को धारण नहीं कर सकता। इसलिए हमें अपने भीतर की शक्ति को हर परिस्थिति में सशक्त रखने का अभ्यास करना चाहिए। संकट से भागना नहीं, बल्कि उसे सहन करते हुए समाधान की ओर बढ़ना ही सच्चा साधन है। भक्ति हमें राहत दे सकती है, पर स्थायी समाधान ज्ञान से ही मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने अब तक स्थाई समाधान का कोई मंत्र नहीं पाया। संकट आते हैं और चले जाते हैं, जैसे भूख लगना और फिर तृप्त होना। स्थायी शांति केवल केवलज्ञान की अवस्था में ही संभव है। मुनिश्री ने अपनी प्रवचन शैली में उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे गाय अपने घास से मतलब रखती है, उसे यह नहीं देखना कि घास किसने डाली – वैसे ही साधक को केवल ज्ञान से लगाव रखना चाहिए, देने वाले से नहीं। उन्होंने गिरनार यात्रा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि मनुष्य का मन सोने की तरह आकर्षक वस्तुओं की ओर खिंच ही जाता है। जब महाराज जैसा साधक भी क्षणभर के लिए डोल सकता है, तो सामान्य जनों को अपने मन पर नियंत्रण रखना और भी आवश्यक हो जाता है। ज्ञान ही सच्चा सोना है। मुनिश्री ने श्रीराम और रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीराम ने अपने भाई लक्ष्मण को रावण से ज्ञान लेने भेजा, क्योंकि ज्ञान का मूल्य देने वाले के चरित्र से नहीं, उसकी सार्थकता से तय होता है। यही विनय, यही विवेक साधना की पहचान है।

### कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख जन...

थूवोनजी तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया, महामंत्री मनोज भैसरवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगल, दीप मंत्री शैलेन्द्र दददा, मंत्री राजेन्द्र हलवाई, प्रदीप रानी, राकेश कांसल (जैन समाज अध्यक्ष), राकेश अमरोद (महामंत्री), सुनील अखाई (कोषाध्यक्ष), अजित बरोदिया (उपाध्यक्ष), प्रदीप तारई, राजेन्द्र अमन, शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा (मंत्री एवं प्रवक्ता) तथा मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार सहित अनेक गणमान्य भक्त उपस्थित रहे। दर्शनोदय तीर्थ कमेटी ने देशभर से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि देशभर से आए भक्तों की उपस्थिति से सम्पूर्ण तीर्थ परिसर आचार्य श्री की कृपा से आलोकित हो उठा है, और कमेटी इस दिव्य आयोजन से हर्षित है।

## स्पेसवुड ने विकास में तेजी लाने के लिए A91 पार्टनर्स से 300 करोड़ रुपये जुटाए

**मुंबई।** भारत की अग्रणी मॉड्यूलर फ़र्नीचर निर्माता और ब्रांड स्पेसवुड फ़र्निशर्स प्राइवेट लिमिटेड ("स्पेसवुड") ने अपने विकास को गति देने के लिए A91 पार्टनर्स से 300 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है।A91 पार्टनर्स एक प्रमुख निजी इक्विटी फर्म है, जो भारत में उपभोक्ता और विकास-चरण वाले व्यवसायों के निर्माण पर केंद्रित है। इस निवेश के तहत A91 पार्टनर्स को स्पेसवुड में एक महत्वपूर्ण अल्पांश हिस्सेदारी (माइनॉरिटी स्टेक) प्राप्त होगी। यह पूंजी कंपनी के विस्तार, ब्रांड निर्माण और परिचालन सुदृढ़ीकरण के अगले चरण को नई गति देगी।स्पेसवुड के सह-संस्थापक एवं निदेशक किरीट जोशी ने इस अवसर पर कहा —"हम A91 पार्टनर्स के साथ जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। पूंजी के अलावा, उपभोक्ता ब्रांडों के विस्तार में उनका गहरा अनुभव हमारे अगले विकास चरण में अमूल्य सिद्ध होगा।"निवेश पर अपने विचार व्यक्त करते हुए A91 पार्टनर्स के पार्टनर अभय पांडे ने कहा — "हम होम और ऑफिस इम्प्रूवमेंट के विशाल और बढ़ते बाजार में एक प्रमुख कंपनी बनाने के लिए किरीट, विवेक और नितिन के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्सुक हैं।"स्पेसवुड की स्थापना 1996 में किरीट जोशी और विवेक देशपांडे द्वारा की गई थी। आज यह भारत के संगठित फ़र्नीचर क्षेत्र में सबसे विश्वसनीय नामों में से एक है। वर्ष 2011 में नितिन सुदामे ने स्पेसवुड ऑफिस सॉल्यूशंस (SOS) की स्थापना की और कंपनी के ऑफिस फ़र्नीचर सेगमेंट में विस्तार का नेतृत्व किया।स्पेसवुड ऑफिस सॉल्यूशंस ने अब तक एक्सेंचर, कैपजेमिनी, एचडीएफसी, अदानी ग्रुप जैसे 1000 से अधिक कॉर्पोरेट्स को आधुनिक कार्यस्थल समाधान प्रदान किए हैं।

## शिक्षा-रूढ़िवादिता से मुक्ति का माध्यम

**अनिल माथुर, ज्वाला-विहार, जोधपुर**

रूढ़िवादिता वह मानसिक जड़ता है, जो मनुष्य को पुराने विचारों, परंपराओं और गलत मान्यताओं की बेड़ियों में बाँध देती है। यह न केवल व्यक्ति की प्रगति में बाधक बनती है, बल्कि समाज के विकास को भी रोक देती है। ऐसे में शिक्षा वह ज्योति है, जो इस अंधकार को दूर कर मनुष्य को स्वतंत्र विचार, तर्क और विवेक की दिशा में अग्रसर करती है। शिक्षा केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं है। यह मनुष्य को सोचने, समझने और सत्य को परखने की क्षमता प्रदान करती है। एक शिक्षित व्यक्ति अंधविश्वास, जात-पात, लिंगभेद और सामाजिक असमानताओं के पीछे छिपी रूढ़ियों को पहचान पाता है। वह परंपराओं का अंधानुकरण नहीं करता, बल्कि उन्हें तर्क और यथार्थ की कसौटी पर परखता है। भारत के महान सामाजिक सुधारकों – राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद और डॉ. भीमराव अंबेडकर – ने भी शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी साधन माना। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को आत्मसम्मान देती है और समाज में समानता लाने का मार्ग प्रशस्त करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्ति का माध्यम न रह जाए, बल्कि उसमें मानवता, तर्कशीलता और नैतिकता के मूल्य जोड़े जाएँ। जब शिक्षा में यह समग्र दृष्टिकोण शामिल होगा, तभी हम उस रूढ़िवादिता से मुक्त हो सकेंगे, जो हमारी प्रगति के मार्ग में दीवार बनकर खड़ी है। अतः यह कहा जा सकता है कि शिक्षा ही वह कुंजी है, जो रूढ़िवादिता के ताले को खोलकर समाज को ज्ञान, समानता और नवचेतना की राह पर अग्रसर करती है।

### "अरहम फाउंडेशन" का सफल आयोजन

# मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और महिला उद्यमिता को मिला नया आयाम

**जयपुर**

अरहम फाउंडेशन द्वारा ब्लू प्लूटो रेस्टोरेंट में आयोजित "मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम (Mental Health Awareness Program)" बेहद सफल रहा। "Your Mental Health Matters" थीम पर आधारित इस आयोजन में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा डॉ. अनामिका पापड़ीवाल का प्रेरणादायक एवं ऊर्जा से भरपूर सत्र। उन्होंने मानसिक तनाव, चिंता और जीवन में संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. अनामिका ने प्रतिभागियों को खुलकर अपने विचार साझा करने और मन की बातें व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान उपस्थित लोगों ने कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सहजता और संवेदनशीलता के साथ उत्तर दिया। फाउंडेशन की बबीता शाह ने बताया कि कार्यक्रम में फाउंडेशन की सदस्याओं द्वारा अपने-अपने व्यवसायों के 10 स्टॉल्स भी लगाए गए थे। इन स्टॉल्स का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन देना और उनके उत्पादों को प्रचार एवं बिक्री का अवसर प्रदान करना था। मीनू बगड़ा ने बताया कि टॉक शो से पहले और बाद में लोगों ने उत्साहपूर्वक खरीदारी की, जिससे महिला उद्यमियों को न केवल आमदनी मिली बल्कि आत्मविश्वास और प्रोत्साहन भी बढ़ा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रीता गंगवाल, सीमा पाटनी, उर्मिला खंडेलवाल और अनीता खंडाका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरहम फाउंडेशन की यह पहल न केवल मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रही, बल्कि महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने की दिशा में भी एक सराहनीय कदम साबित हुई।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

**सम्पादकः राकेश जैन गोदिका**
@ 94140 78380, 92140 78380

**दैनिक ई-पेपर**
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

# 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर ज्योति शिक्षण संस्थान में हुआ सामूहिक गायन कार्यक्रम

**बामनवास. शाबाश इंडिया।** शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में ज्योति शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं वर्धमान कोचिंग सेंटर, पिपलाई के संयुक्त तत्वावधान में भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक भव्य सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ज्योति शिक्षण संस्थान एवं वर्धमान कोचिंग सेंटर के सभी विद्यार्थी, अध्यापक-अध्यापिकाएँ और अन्य कर्मचारी प्रातः 10:15 बजे एक साथ एक स्वर में 'वंदे मातरम्' का गायन करते हुए देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो उठे। इस अवसर पर ज्योति शिक्षण संस्थान के निदेशक अखलेश गुर्जर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाकर हम उस गीत को सम्मानित कर रहे हैं, जिसने राष्ट्रीय जागरण में प्राण फूंके थे। यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम में देशप्रेम और एकता का सशक्त प्रतीक रहा है। वर्धमान कोचिंग सेंटर की निदेशक एकता जैन ने कहा कि शिक्षा विभाग की यह पहल राज्य और देश के सबसे प्रिय राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक – 'वंदे मातरम्' को सार्थक रूप से सम्मान देने का एक अद्भुत अवसर है। इससे विद्यालयों में देशभक्ति की सामूहिक भावना को प्रोत्साहन मिला है। कार्यक्रम में ज्योति शिक्षण संस्थान की प्रधानाध्यापिका कृपा गुर्जर, शिक्षक मुकेश मीणा, करण गुर्जर, गणेश योगी तथा शिक्षिकाएं गायत्री गौड़, सुशीला सैनी, संगीता सैनी और मालती गौड़ सहित सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

# आडंबर रहित जैन समाज को आखिर किसकी नजर लग गई?

नितिन जैन

संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मो. 9215635871

कभी जैन धर्म का नाम सुनते ही लोगों के मन में त्याग, सादगी और आत्मसंयम की दिव्य छवि उभर आती थी। दिगंबर और श्वेतांबर – दोनों ही परंपराओं में धर्म का सार एक ही था त्याग में सौंदर्य, सादगी में भक्ति और संयम में सत्य। पर आज स्थिति कुछ और ही प्रतीत होती है – मानो इस महान धर्म को किसी की बुरी नजर लग गई हो।

## संयम से दिखावे तक की यात्रा

जहां पहले साधु-साध्वी दोनों परंपराओं में आडंबरों से दूर रहकर आत्मसाधना में लीन रहते थे, वहीं आज कई स्थानों पर वही साधु-साध्वी भव्य स्वागत, बैंड-बाजों, पुष्पवर्षा और लाखों के मंचों के बीच दिखाई देने लगे हैं। जिनका जीवन उद्देश्य अपरोक्ष ज्ञान और आत्मशुद्धि था, वे अब बाहरी दिखावे और लोकप्रियता की दौड़ में उलझते जा रहे हैं।
दिगंबर परंपरा में कहा गया है...
सज्जनो मुनयो नाम्ना न तु वस्त्रादिभिः।
संयमो हि मुनित्वस्य कारणं नान्यत किञ्चनम्॥
(तत्वार्थसूत्र भाष्य) अर्थात – मुनि केवल नाम या वेश से नहीं, बल्कि संयम और आत्मनियंत्रण से बनता है। श्वेतांबर आगमों में भी यही स्पष्ट कहा गया है... संयमं नाम जीवादीनं निग्गहं। (आचारांग सूत्र, प्रथम शतक) अर्थ – संयम का अर्थ है – अपने मन, वचन और शरीर को नियंत्रण में रखना। पर आज यह नियंत्रण जैसे ढीला पड़ता जा रहा है।

**जहाँ थी शांति, वहाँ अब शोर है**

कभी दोनों समुदायों के साधु सादगी के प्रतीक थे –
दिगंबर मुनि नग्नता में वैराग्य के प्रतीक, और श्वेतांबर साधु सरल श्वेत वस्त्र में संयम के प्रतीक। पर अब अनेक स्थानों पर साधना की जगह कार्यक्रमों ने ले ली है। प्रवचन की जगह प्रशंसा, और धर्म की जगह व्यक्ति-पूजा ने स्थान बना लिया है। समाज भी इस प्रवाह में बह गया है – पहले दान गुप्त था, अब दान माइक से घोषित होता है। पहले साधु के दर्शन आत्मशुद्धि का माध्यम थे, अब सेल्फी का अवसर बन गए हैं। पहले शांति थी, अब शोर है।
महावीर का संदेश – संयम में रमण ही मुक्ति का मार्ग
भगवान महावीर ने कहा था
जो संयम में रमण करता है, वही मुनि है;
और जो जगत में रमता है, वह संसार में बंधा है।
(आचारांग सूत्र) पर आज कुछ स्थानों पर वही मुनि समाज की भीड़ में रमण करते दिखने लगे हैं। यही सबसे बड़ा खतरा है – जब धर्म के रक्षक ही दिखावे के आकर्षण में उलझ जाएँ, तो धर्म की जड़ें कमजोर होने लगती हैं।

## अब समय है आत्ममंथन का

आज आवश्यकता है कि जैन समाज पुनः अपने मूल स्वरूप में लौटे – जहाँ न जाति का विवाद था, न पंथ की दीवारें थीं। जहाँ दिगंबर और श्वेतांबर दोनों का लक्ष्य था – आत्मकल्याण और आत्मशुद्धि। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि भगवान महावीर ने किसी आडंबर या पंथ की नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि की बात की थी। धर्म का अर्थ है – अंतर की जागृति, बाहरी प्रदर्शन नहीं। आइए संकल्प लें – दिगंबर और श्वेतांबर समाज पुनः सादगी, संयम और सत्य की राह पर लौटे। साधु-साध्वी फिर से त्याग और आत्मबल के जीवित प्रतीक बनें। भक्ति फिर से मंच से नहीं, मन से उठे। और समाज पुनः सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के मार्ग पर अग्रसर हो। जब साधु और समाज – दोनों अपने मूल स्वरूप में लौटेंगे, तब जैन धर्म की वह दिव्यता और गरिमा पुनः प्रकट होगी, जिसके लिए यह सृष्टि का सर्वाधिक पवित्र और तर्कशील धर्म कहलाता है।

# जोबनेर में होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के लिए दिया निमंत्रण

## चंडीगढ़ में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया आमंत्रण पत्रिका का विमोचन

**आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया**

**जोबनेर।** जोबनेर में आगामी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव की तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं। इस अवसर पर जैन समाज, जोबनेर की ओर से पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति के तत्वावधान में एक प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल महामहिम श्री गुलाबचंद कटारिया से चंडीगढ़ राजभवन में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल को जोबनेर कस्बे में 331 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक पंचकल्याणक महामहोत्सव में पधारने के लिए सादर निमंत्रण प्रदान किया। इस अवसर पर महामहिम श्री गुलाबचंद कटारिया ने कार्यक्रम की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन अपने करकमलों से संपन्न किया और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। प्रतिनिधिमंडल में पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति के मुख्य संयोजक डॉ. अखिल जैन, पूर्व सरपंच रमेश जैन, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अमित जैन, मुनि संघ समिति अध्यक्ष अजय जैन, महामंत्री मोंटू जैन तथा नगर पालिका पार्षद गौरव जैन सहित अन्य

## सकल दिगंबर जैन समाज एस.एफ.एस. की ओर से आचार्य श्री सुंदर सागर जी ससंघ को जयकारों के साथ चढ़ाया गया श्रीफल

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सकल दिगंबर जैन समाज एस.एफ.एस. की ओर से परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य, दिव्य तपस्वी आचार्य श्री 108 सुंदर सागर जी महाराज ससंघ को जयकारों और श्रद्धाभाव के साथ श्रीफल चढ़ाया गया। समाज बंधुओं ने बड़े हर्ष और उत्साह के साथ आचार्य श्री को एस.एफ.एस. राजावत फार्म स्थित दिगंबर जैन मंदिर में पधारने का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर समाज समिति के अध्यक्ष कमलेश चंद्र जैन, महामंत्री सौभाग मल जैन, उपाध्यक्ष नरेंद्र कासलीवाल, मंत्री कुणाल काला, लालचंद झंझरी, दिनेश जैन, मनोज लुहाडिया, रजनीकांत जैन, नरेंद्र शाह, सुमति प्रकाश काला, युवा मंडल अध्यक्ष मनोज काला, मंत्री जिनेंद्र जैन, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी, मंत्री आशा बाकलीवाल, संतोष चांदवाड, पुष्पा बोहरा सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। आचार्य श्री के ससंघ आगमन को लेकर समाज में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

## स्काउट गाइड प्रशिक्षण में महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा जीवन रक्षक किट का वितरण

**रिपोर्ट: सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा, राजस्थान)**

नौगामा। ''सबकी सेवा, सबको प्यार'' के आदर्श वाक्य के साथ महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा आज राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण स्थल पर जीवन रक्षक किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक अश्विन जोशी, सचिव दिनेश, महावीर इंटरनेशनल गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेश चंद्र गांधी, स्थानीय संघ कोषाध्यक्ष नरेंद्र जोशी, शिविर संचालक प्रथामावि स्काउट जुगल किशोर, मास्टर कमल सिंह चौहान तथा जेपी गरासिया की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि जब किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक के लक्षण (घबराहट, पसीना, चक्कर आना या बाएं हाथ में दर्द) महसूस हों, तो इस जीवन रक्षक किट की तीन गोलियाँ देने से प्रारंभिक स्तर पर राहत मिलती है और अस्पताल पहुँचने तक जीवन बचाया जा सकता है। अश्विन जोशी ने कहा कि यह एक पुण्य कार्य है – यदि इस किट से किसी का जीवन बचता है, तो यह महावीर इंटरनेशनल के मानवता सेवा के उद्देश्य की सच्ची पूर्ति होगी। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल एपेक्स कार्यालय से प्राप्त 50वीं गोल्डन जुबली विशेषांक ''महावीर प्रवाह'' भी उपस्थित स्काउट-गाइड प्रशिक्षकों को वितरित किया गया। इस कार्य में शर्मिष्ठा प्रणामी, रोशनी विजेंद्र, और एबीएस विद्यालय के राकेश व्यास ने सहयोग प्रदान किया।

## आर्यिका मां विज्ञान मति माताजी का डडूका में भव्य मंगल प्रवेश

**डडूका. शाबाश इंडिया**

परतापुर में 41वां अमृतमय पावन वर्षायोग पूर्ण होने के उपरांत आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी एवं आचार्य कल्प श्री विवेक सागर जी महाराज की सुशिष्या, युगश्रेष्ठ, चर्या शिरोमणि आर्यिका 105 श्री विज्ञान मति माताजी ससंघ का परतापुर से प्रथम विहार करते हुए डडूका में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्रद्धालुओं की सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति रही। पाठशाला के बच्चों ने घोष वादन के साथ माताजी का स्वागत किया। जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य डॉ. कदम, डॉ. सिजल, रीता व राकेश शाह परिवार को प्राप्त हुआ। आर्यिका आदित्य मति माताजी ने श्रावकों को देव, शास्त्र और गुरु की शरण में रहने की प्रेरणा दी, वहीं आर्यिका विज्ञान मति माताजी ने प्रवचन में कहा कि सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र कोठीया ने किया। जानकारी समाज अध्यक्ष राजेश शाह एवं युवा समिति अध्यक्ष अंकित शाह ने दी।

## आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट और रिलायंस फाउंडेशन ने मिलाया हाथ, निशानेबाजी को मिलेगी नई ताकत

**मुंबई. शाबाश इंडिया**

भारतीय सेना की ''मिशन ओलंपिक्स विंग'' के अंतर्गत आने वाली आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट, महू ने शूटिंग खेल के विकास को सुदृढ़ करने के लिए रिलायंस फाउंडेशन के साथ समझौता किया है। यह साझेदारी 14 सैनिक निशानेबाजों को प्रशिक्षण, स्कॉलरशिप और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान करेगी। इनमें पेरिस ओलंपिक प्रतिभागी संदीप सिंह और सेना की पहली महिला सुबेदार प्रीति रजक भी शामिल हैं। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी ने कहा, ''भारतीय सेना और अटव के साथ जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह केवल साझेदारी नहीं, बल्कि भारत को खेलों में शीर्ष स्थान दिलाने का संकल्प है।'' यह पहल 2028 और 2032 ओलंपिक खेलों के लिए भारत की तैयारी को नई दिशा देगी और देश में निशानेबाजी को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

# भोपाल में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

**भोपाल. शाबाश इंडिया।** परम पूज्या भारत गौरव सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का औबेदुल्लागंज कॉलोनी, भोपाल में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। भक्तों ने गाजे-बाजे और जयघोषों के साथ ससंघ की मंगल अगवानी की। मंगल प्रवेश उपरांत भक्तों ने गुरु माँ के पाद प्रक्षालन किए और शास्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजी ने प्रवचन में कहा – ''धन्य है वह धरती, जहां संतों के चरण पड़ते हैं। सच्चे देव-शास्त्र-गुरु की सेवा और दान से शुभ कर्मों का फल मिलता है।'' उन्होंने जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कर्म अनुसार सुख-दुख प्राप्त होते हैं, वैसे ही अच्छे भाव और सेवा से जीवन सार्थक बनता है। माताजी ने बताया कि 8 नवम्बर को आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज का 34वां आचार्य पदारोहण दिवस श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, औबेदुल्लागंज में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाएगा।

# सेंट्रल बैंक के जोनल हेड एम.के. पाणिग्रही से मिले सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नवगठित जयपुर जोन के जोनल हेड एम.के. पाणिग्रही से सेवा निवृत्त अधिकारियों के संगठन – सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन, राजस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार शाम आनंद भवन, संसार चंद्र रोड स्थित बैंक के जोनल कार्यालय में मिला। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान सेवा निवृत्त अधिकारियों ने बैंक के नवगठित जोन की प्रारंभिक व्यवस्थाओं एवं व्यवसायिक सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के संबंध में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। जोनल हेड एम.के. पाणिग्रही ने इस पहल के लिए संघ के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ''सेवा निवृत्त अधिकारियों का अनुभव बैंक के विकास में सदैव उपयोगी रहेगा।'' इससे पूर्व सी.बी.आर.ओ.ए. राजस्थान के महामंत्री एन.के. पारीक ने आर.के. जैन, बी.एस. राठौड़, मनोज शर्मा, पदम जैन बिलाला और ललित शर्मा के साथ मिलकर जोनल हेड को बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर बैंक के ए.जी.एम. जी.एस. मीणा ने भी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

# गुरूणी कुमुदलता जी हमें भूल न जाना, लौट के जल्दी भीलवाड़ा आना भावनाओं से भरा विदाई का क्षण

## भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण में महासाध्वी मण्डल का प्रथम विहार, सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने दी भावभीनी विदाई

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया**

चार माह पूर्व जिस महासाध्वी मण्डल का उत्साहपूर्वक चातुर्मासिक प्रवेश कराया गया था, आज उसी मण्डल के प्रथम विहार के समय सुभाषनगर स्थानक पर भावनाओं का सागर उमड़ पड़ा। श्रद्धा और प्रेम से भीगे माहौल में सभी की जुबां पर बस यही भाव थे – गुरूणी मैया, हमें भूल मत जाना जल्द लौटकर आशीर्वाद देना। आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस अवसर पर श्रमण संघीय जैन दिवाकरीय मालव सिंहनी पूज्या श्री कमलावती जी म.सा. की सुशिष्या, अनुष्ठान आराधिका, ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलता जी म.सा., स्वरसाम्राज्ञी महाप्रज्ञा जी म.सा., वास्तुशिल्पी पद्मकीर्ति जी म.सा., और विद्याभिलाषी राजकीर्ति जी म.सा. ससंघ का प्रथम विहार हुआ। विहार की आज्ञा देने के लिए रेमंड ग्रुप के चेयरमैन शांतिलाल पोखरना विशेष रूप से मुंबई से पधारे थे, जिनकी अनुमति से ही मण्डल ने सुभाषनगर में चातुर्मास प्रारंभ किया था। विहार के पूर्व साध्वी मण्डल ने प्रार्थना और मांगलिक करवाया, तत्पश्चात ससंघ आर.सी. व्यास कॉलोनी स्थित सुशीलकुमार सुनील संजय डांगी के निवास तक विहार कर पहुँचा। मार्ग में श्रद्धालु गुरूणी कुमुदलता जी हमें भूल न जाना, लौट के जल्दी भीलवाड़ा आना के जयकारे लगाते हुए श्रद्धाभाव से झूम उठे।

### भीलवाड़ा की श्रद्धा और भक्ति अविस्मरणीय: कुमुदलता जी म.सा.

डांगी निवास पर आयोजित अनुष्ठान आराधना में प्रभु पार्श्वनाथ की भक्ति की गई। साध्वी श्री कुमुदलता जी म.सा. ने कहा कि भीलवाड़ा की श्रद्धा, भक्ति और सेवा ने इस चातुर्मास को अविस्मरणीय बना दिया। यह स्मृतियाँ सदा हमारे साथ रहेंगी। इस अवसर पर उन्होंने मुंबई से पधारे भामाशाह शांतिलाल पोखरना को समाज गौरव रत्न से अलंकृत करने की घोषणा की। समारोह में संयोजक महावीरसिंह चौधरी, अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, सचिव राजेन्द्र सुराना सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। रेमंड ग्रुप के वाइस चेयरमैन अरुण अग्रवाल और संगम ग्रुप के एम.डी. एस.एन. मोदानी का भी स्वागत किया गया। संचालन राजेन्द्र सुराना ने किया।

### हर रविवार होगी अनुष्ठान आराधना

साध्वी कुमुदलता जी म.सा. ने घोषणा की कि इस चातुर्मास की स्मृति में सुभाषनगर स्थानक पर अब प्रत्येक रविवार को एक घंटे का नवकार मंत्र जाप और अनुष्ठान आराधना होगी। इसके लिए श्री नवकार मंत्र अनुष्ठान समिति का गठन किया गया है अध्यक्ष अनिलकुमार कोठारी, मंत्री सुमित्रा बोथरा, संयोजक हनुमानसिंह गोखरू तथा कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र लोढ़ा होंगे। यह आराधना 52 सप्ताह तक निरंतर आयोजित होगी।

### विहार यात्रा कार्यक्रम

साध्वी मण्डल शनिवार सुबह डांगी निवास से विहार कर आर.सी. व्यास कॉलोनी स्थित लीलादेवी पवनकुमार महावीर कोठारी के निवास पर पहुँचेगा। वहाँ नवकारसी के पश्चात मण्डल का विहार कांचीपुरम के लिए होगा।

9 नवम्बर: कांचीपुरम से शांति भवन तक विहार
11 नवम्बर: शांति भवन से शास्त्रीनगर मेन सेक्टर तक
12 नवम्बर: शास्त्रीनगर अहिंसा भवन स्थानक – सूर्यमहल में अनुष्ठान आराधना
13 नवम्बर: कुमुदविहार
14 नवम्बर: हरणी महादेव स्थित पाम रिसॉर्ट
15 नवम्बर: चन्द्रशेखर आजाद नगर स्थित रूप रजत विहार स्थानक प्रवास संभावित

निलेश कांठेड़
मीडिया प्रभारी, आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति, सुभाषनगर, भीलवाड़ा

# सी.आर. डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज, ऐलनाबाद ने दो दिवसीय युवा महोत्सव में लहराया परचम

## हरियाणवी लोक नृत्य में तीसरा स्थान किया प्राप्त

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। सी.आर. डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज, ऐलनाबाद की छात्राओं ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में आयोजित द्वि-दिवसीय युवा महोत्सव में शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया। यह आयोजन जिला प्रशासन सिरसा एवं युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कॉलेज की हरियाणवी समूह नृत्य (लोक नृत्य) टीम ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया और जोन स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

### प्राचार्य और प्रबंधन ने जताया गर्व

कॉलेज की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा ''हमारी बेटियों ने पूरे समर्पण और लगन से प्रदर्शन किया, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है। यह सफलता कॉलेज के सांस्कृतिक माहौल और छात्राओं की मेहनत का प्रतिफल है।'' कार्यकारी निदेशक डॉ. करुण मेहता ने भी छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियाँ शिक्षा का अभिन्न अंग हैं, जो विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

### सम्मान समारोह में हुई सराहना

CDLU में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान विजेता छात्राओं को भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतिंदर सिंह एवं जिला महामंत्री अंबर कुमार ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा–बेटियों ने न केवल कॉलेज बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। छात्राओं की इस उपलब्धि में असिस्टेंट प्रोफेसर दीपशिखा, असिस्टेंट प्रोफेसर इंदु कामरा, कवलजीत कौर, दीपिका, सोनाली, कसुम, रितु, देवजोत, सिमरन कौर एवं अन्य स्टाफ सदस्यों का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

### वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर देशभक्ति कार्यक्रम

कॉलेज की छात्राओं ने जहाँ एक ओर युवा महोत्सव में अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर ''वंदे मातरम्'' की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित देशभक्ति कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई। उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार 7 नवंबर 2025 को कॉलेज में ''वंदे मातरम्'' गायन कार्यक्रम के साथ विभिन्न देशभक्ति एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर परिसर में राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति का वातावरण निर्मित किया।

# मालवीय नगर में 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन

## दिगंबर जैन महासमिति की 50वीं स्वर्ण जयंती पर श्रद्धा, भक्ति और प्रकाश का अनूठा संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति की 50वीं स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में, दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के तत्वावधान में महासमिति मालवीय नगर संभाग द्वारा एक भव्य भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-3, मालवीय नगर में 48 ऋद्धि-सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपकों के प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती चंद्रकांता जैन (बमाताश्री समाज श्रेष्ठी) तथा मंत्री मनोज-सरिता जैन परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके साथ ही 48 दीपकों से सजाए गए मंच पर भक्तामर स्तोत्र का पाठ प्रारंभ हुआ। धार्मिक मंत्रोच्चार और संगीतमय वातावरण में श्रद्धालु भाव-विभोर होकर प्रभु महावीर के समक्ष भक्ति में झूम उठे। उपस्थित श्रद्धालु आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिए।

### गरिमामयी उपस्थिति और श्रद्धा का माहौल

इस आयोजन में दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जी पांड्या, संरक्षक उत्तम कुमार जी-सरोज जी पांड्या, अंचल अध्यक्ष अनिल जी जैन-शशि जी जैन, महामंत्री महावीर जी-ललिता जी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश जी-सुचेता जी सोगानी, कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जी जैन, उपाध्यक्ष सुनील जी बज, मंत्री एवं समन्वयक शांति जी-रेणु जी काला, मंत्री महावीर जी चांदवाड, अशोक जी गोधा, राजेंद्र जी जैन, मंजू जी पूरी, विमल प्रकाश जी कोठारी, सतीश जी बाकलीवाल सहित कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष अजीत जी-शकुन जी बड़जात्या और कोषाध्यक्ष अरुण जी-मंजू जी काला ने किया। भक्तामर स्तोत्र में चमत्कारी मंत्रों का शुद्ध उच्चारण रंजना जी बोहरा, कौशल्या जी तेरापंथी और अर्चना जी निगोतिया द्वारा किया गया, जिसने सभा में भक्ति और आध्यात्मिकता का गूढ़ वातावरण निर्मित किया।

### धार्मिक एकता और संगठन की झलक

भक्तामर पाठ से पूर्व दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सी.एल. जैन, मंत्री मनोज जैन, स्थायी आमंत्रित सदस्य विमल जी बड़जात्या और संभागीय पदाधिकारियों का स्वागत अंचल पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुकेश जी पांड्या, रामपाल जी जैन, विनोद जी-मधु जी जैन, प्रीति जी-राजेश जी बाकलीवाल, शैफाली जी जैन, मुकेश जी बागायत, रमेश जी पहाड़िया, नरेंद्र जी-विमला जी बाकलीवाल, प्रदीप जी तेरापंथी, निर्मल जी जैन, रविंद्र जी बिलाला, महेंद्र कुमार जी साह, किशोर जी-मीना जी ठोलिया, नवरतन जी सोगानी, सुरेंद्र जी डीगीवाल, अजय जी पांड्या, पुष्पा जी बज, किरण जी जैन, निधि बड़जात्या, राजकुमार जी-शशि जी जैन, जतन जी-विद्या जी सेठी, महावीर जी-प्रेम जी सेठी, उषा जी दीवान, राजकुमार जी गोधा, विमल जी-सुशीला जी गोधा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### आभार और समापन

कार्यक्रम के समापन पर राजस्थान अंचल के मंत्री एवं समन्वयक शांति जी-रेणु जी काला ने मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री सी.एल. जैन को स्थान उपलब्ध कराने और महासमिति मालवीय नगर संभाग के सभी पदाधिकारियों एवं संयोजक निर्मल जी जैन को सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए गर्म दूध का प्रसाद वितरित किया गया, जिसका सभी ने श्रद्धा और आनंदपूर्वक सेवन किया।